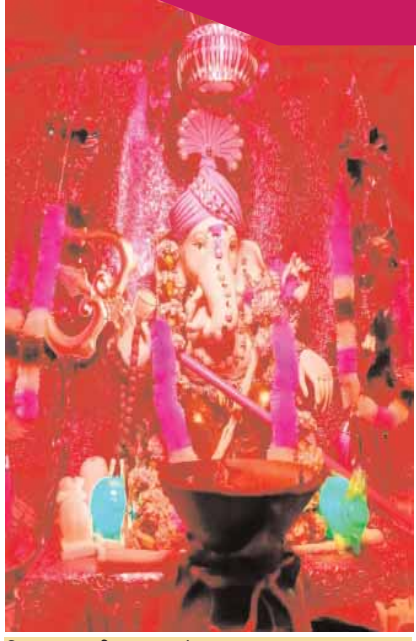


अंधन को आंख देत, कोढ़िन को काया, बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया।।



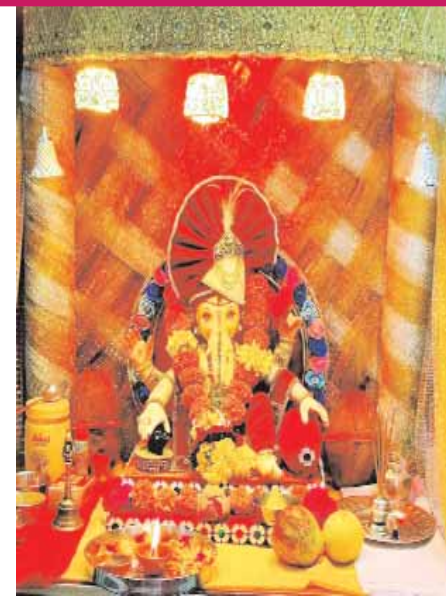
विजय सरावगी सुखन चौक।



अभिषेक ताम्रकार गाटरघाट।



सक्षम एवं भूमि शर्मा दुर्गा चौक।



मखीजा परिवार, द्वारका सिटी।



विकी अग्रहरि, आधारकाप।



नवयुवक गणेश उत्सव समिति, विजयरावगढ़।



बस स्टैंड ग्राम पिपरा।



पत्रकार आशीष रैकवार के घर पर विराजे गणपति।



राजेश यादव, छपरवाह।



श्री पूछी गणेश उत्सव समिति।



बाल गणेशोत्सव समिति, ग्राम भुइसा।



संस्कार मुकेश रैकवार, कोतवाली के सामने।



पत्रकार जितेंद्र खरोटे के घर पर विराजे गणपति।



शानि अग्रहरि, आधारकाप।

ग्राउंड टूथिंग नक्शे जमा करने पर बरती लापरवाही

बड़वारा के 3 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

कटनी। आबादी सर्वे ऑफ इंडिया से प्राप्त नक्शे में ग्राउंड टूथिंग न करने के कार्य में लापरवाही बरतने पर अनुविभागीय अधिकारी ने बड़वारा के तीन पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साथ ही तीन दिन में नक्शे जमा करने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी है कि नक्शे जमा करने के साथ ही यदि उनके द्वारा प्रगति रिपोर्ट जमा नहीं की जाती है, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पटवारी अश्विनी कोरी, सल्हना व मिडरा, पटवारी संजय जैन, कोडो, सुनारी, कछरी और पटवारी अनिल गुप्ता, भजिया व टगुवा को जारी किए गए कारण बताओ नोटिस में अनुविभागीय अधिकारी ने कहा है कि सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा प्राप्त हुए नक्शे आप सभी को 28 अगस्त को ग्राउंड टूथिंग के लिए दिए गए थे। जिन्हें आपके द्वारा आज तक जमा नहीं किया गया और बार-बार निर्देशित करने के बाद भी कार्य में प्रगति नहीं दिख रही है। जिससे शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना के प्रति आपकी उदासीनता व लापरवाही परिलक्षित होती है। एसडीएम ने कहा है कि तीन दिवस के अंदर अपने-अपने सम्पत्त ग्राहकों को ग्राउंड टूथिंग कर नक्शे जमा करते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। समय सीमा पर कार्य पूर्ण न होने पर संबंधितों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केन्द्र बने शहर के दो गणेश मंदिर

गणेशोत्सव पर विघ्न विनाशक को भक्त लगाते हैं अर्जी, मनोकामना पूरी करने की फरियाद

कटनी। बारडोली में विघ्नविनाशक गजानन के वैसे तो कई मंदिर हैं। जहां भक्त पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं लेकिन गौरीनंदन श्रीगणेश के शहर में स्थित दो मंदिर ऐसे हैं, जो भक्तों के लिए खास हैं। इनमें पहला प्राचीन मंदिर चिंतामन गणेश भगवान का है तो दूसरा गणेश चौक स्थित श्री विघ्नविनाशक मंदिर है। दोनों ही मंदिरों में लोग धार्मिक अनुष्ठानों के साथ अर्जी भी लगाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने पर लोगों की मनोकामना पूरी होती है। यही कारण है कि गणेश उत्सव के दौरान भी ये दोनों मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र बने हुए हैं। यहां गणेश पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।



19 सितंबर को गणेश प्रतिमा विर्सजन होगा

19 सितंबर को गणेश प्रतिमा विर्सजन होगा। कोविड-19 महामारी के संक्रमण व वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये प्रदेश शासन के गृह विभाग द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में सभी लोग अपने घरों में ही छोटी गणेश मूर्तियां स्थापित कर पूजन अर्चना करेंगे। साथ ही गणेश विर्सजन के लिये बनाये गये जलकुण्डों, चलित जल कुण्डों में ही 5 से 10 व्यक्तियों के समूहों में जाकर मूर्ति का विर्सजन करेंगे। इस दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट रोमोनस टोपो ने कार्यालयिक मजिस्ट्रेट्स की ड्यूटी प्रातः 8 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक के लिये लगाते हुये आदेश जारी किया है। इस सम्पूर्ण व्यवस्था के लिये अनुविभागीय दण्डाधिकारी कटनी बलबीर रमन को प्रभारी नियुक्त किया गया है। ड्यूटी आदेश के तहत थाना क्षेत्र कोतवाली अंतर्गत तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव और राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र खम्परिया को नियुक्त किया गया है। वहीं कुठला थाना क्षेत्र में तहसीलदार मुनीन्द्र खान एवं राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा की ड्यूटी लगाई गई है। थाना क्षेत्र रंगनाथ नगर में नाथव तहसीलदार रविन्द्र पटेल और राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र श्रीवास्तव, थाना क्षेत्र तहसीलदार राजीव मिश्रा और राजस्व निरीक्षक कुंजीलाल प्रजापति, थाना क्षेत्र माधवनगर में सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख देवसिंह बागरी और राजस्व निरीक्षक बृज बिहारी दुबे और पुलिस कन्ट्रोल रूम कटनी में सहायक भू-अभिलेख कटनी की ड्यूटी पर तैनात किया गया है।



गणेशोत्सव में दस दिन श्रृंगार

दोनों गणेश मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु नारियल व लड्डू के साथ आते हैं। मंदिरों में गणेशोत्सव के दौरान चतुर्थी से लेकर अनंत चौदस तक विशेष पूजन अनुष्ठान का दौर चलता रहता है। इसके साथ ही दस दिन तक भगवान का अलग-अलग श्रृंगार किया जाता है।



कैमोर में पेश हुई कौमी एकता की अनूठी मिसाल

कैमोर। 15 सितंबर का दिन कैमोर में कौमी एकता के एक अनूठे आयोजन की यादगार बन गया। यह शानदार आयोजन कैमोर के समाजसेवी शाहिद हुसैन द्वारा उनके सन्डे मार्केट स्थित निवास में आयोजित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की मशहूर बरेली शरीफसे आये मौलाना आला हजरत अलहाज तौसीफ रजा साहब रहे। बाद नमाज जौहर इस जलसे की शुरुआत हुई। जलसे में मौलाना तौसीफ रजा के अलावा मुरलीधर मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित ओम प्रकाश मिश्रा, गुरुद्वारा साहब के ग्रन्थी सरदार मनमोहन सिंह, पतिहाई स्थित चर्च के पास्टर अमोस रत्नम, विप्र समाज के वरिष्ठ सदस्य पंडित राम सजीवन पांडेय सहित सभी धर्मों और समाज के लोगों की मौजूदगी रही। जलसे की शुरुआत धर्म गुरुओं के सम्मान से हुई जिसमें समाजसेवी शाहिद हुसैन और उनके परिवार के सदस्यों ने सभी धर्म गुरुओं को शाल पहनकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। जलसे में अपनी तकरीर पेश करते हुए मौलाना तौसीफ रजा ने कहा कि हिंदुस्तान एक खूबसूरत गुलदस्ता है जिसमें सभी धर्मों के लोग प्यार और मोहब्बत के साथ रहते हैं। गुलदस्ते की यह खूबसूरती तभी तक है, जब तक सभी फूल अपनी अपनी खुरबू बिखेरते हुए बरकरार रहें। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में अलग अलग जातियों, अलग अलग धर्मों के लोग आपसी भाई चारे के साथ रहते हैं। सबको अपने अपने धर्म का पालन करने की आजादी है। ऐसी कौमी एकता की मिसाल दुनिया में और कहीं देखने को नहीं मिलती। सभी को अपने धर्म का पालन करते हुए दूसरे धर्मों का भी सम्मान करना चाहिए। मौलाना साहब की तकरीर के बाद सभी धर्म गुरुओं के साथ मिलकर उपस्थित सभी लोगों ने कोरोना की विघ्न व्यापी महामारी से निजात दिलाने दुआ और प्रार्थना की। जलसे में अंजुमन कमेटी के सदर हाजी गुलाम, पूर्व सदर हाजी दिलावर खान, हाजी नाजिम खान, हाजी नसीम खान, इंटर यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अनिल मौर्या, राकेश तिवारी, के के तिवारी सहित सभी धर्मों और समाजों के लोगों की उपस्थिति रही।

माता-पिता की स्मृति में भेंट किया शव वाहन
जलसे के दौरान समाजसेवी शाहिद हुसैन द्वारा अपने वालिद मरहूम जनाब बाबू भाई एवं वालिदा की याद में एक शव वाहन कैमोर के लिए समर्पित किया, जिसका उपयोग सभी धर्मों के लोग अंतिम यात्रा के लिए कर सकेंगे।

डॉ सलिल तिवारी को मिला अमर मलंग अलंकरण

अमर मलंग स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन

कटनी। हिंदी दिवस के अवसर पर अमर मलंग स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर से आए राज सागरी साहब रहे। विशिष्ट अतिथि पं रामखेलावन गर्ग, प्रकाश भौमिया, अजय माली, डॉ मिनाक्षी शर्मा, महब जबलपुरी रहे। अध्यक्षता पं रामनरेश विद्यार्थी डीठवारा ने की। कार्यक्रम के प्रथम चरण में मां सरस्वती जी की वंदना के उपरांत अमर मलंग जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्चित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तदुपरान्त अमर मलंग अलंकरण से डॉ सलिल तिवारी को नवाजा गया। द्वितीय चरण में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया गया, जिसमें नगर आंचलिक के साथ बाहर से आए कवियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति



दी, जिसमें मनोहर मनोज, प्रतीक तिवारी कानपुर, डॉ सलिल तिवारी जबलपुर, राज सागरी जबलपुर, डॉ मिनाक्षी शर्मा, महब जबलपुरी, रामखेलावन गर्ग, विष्णु वाजपेयी, शरद जायसवाल, चंद्रकिशोर चंदन, जयनारायण सोनी गुम्बर, अर्चना सोनी, ईश्वर दास पुरवार, आर डी गुमा, बी के साहू, रामानुज पाण्डेय, अथर्व तिवारी, लखन डेहरिया, प्रियांशु तिवारी, नित्यानंद पाण्डेय, लईक कुरैशी, पंडित अरविन्द तिवारी, अनिल ताम्रकार, राजेश श्रीवास्तव, गोलू चौधरी, विशाल कोल, धनपत कुशवाहा, गणपत कुशवाहा, ऋतु राज, बलराज, मुन्ना भाई आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन लखन डेहरिया अनजान एवं आभार प्रदर्शन दिलराज अमर सिंह ने किया।

